B.A. PART - 1

हिन्दी (प्रतिष्ठा) द्वितीय - पत्र

भाग - 1

हिन्दी साहित्य का इतिहास (मध्ययुगीन इतिहास एवं काव्य)

आधुनिककाल

प्रश्न :- आधुनिक काल की परिस्थितियाँ बतायें ?

उत्तर :- आधुनिक काल के साहित्य में जिन नवीन प्रवृत्तियों का सूत्रपात हुआ, उसका सम्बन्ध तत्कालीन परिस्थितियों से जोड़ा जा सकता है। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ने देश में एक नयी चेतना को जन्म दिया, भले ही इस संग्राम को 'विद्रोह' का नाम देकर अँग्रेजों ने कुचल दिया। अँग्रेज सरकार के दमनकारी रवैये ने जहाँ देश के बुद्धिजीवियों को झकझोर दिया वहीं कवियों को भी यह जरूरत महसूस हुई कि वे जनता को इस राज्य की अच्छाई - बुराई के विषय में बतावें। भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र ने अँग्रेजी राज्य के सम्बन्ध में ~~[illegible]~~ टिप्पणी करते हुए लिखा -

अँग्रेज राज सुख साज सजे सब भारी।
पै धन विदेश चलि जात यहै अति ~~[illegible]~~ ख्वारी ॥

काँग्रेस पार्टी की स्थापना, गाँधी जी का भारतीय राजनीति में पदार्पण एवं स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए भारतीय जनता द्वारा किए गए संघर्षों के परिप्रेक्ष्य में ही आधुनिक काल के साहित्य को देखा - परखा जाना चाहिए।

इस काल में सामाजिक दृष्टि से भी अनेक आन्दोलनों का सूत्रपात हुआ। ब्रह्म समाज, आर्य समाज, थियोसोफीकल सोसाइटी ने जहाँ परम्परागत भारतीय समाज में नयी सामाजिक चेतना का विकास किया; वहीं रामकृष्ण परमहंस, विवेकानन्द, महर्षि अरविंद के आध्यात्मिक एवं दार्शनिक विचारों ने भी जनता को बहुत अधिक प्रभावित किया। गाँधी जी ने अपने सत्य, अहिंसा, प्रेम एवं नैतिकता के सिद्धान्तों से जनता को एक नया जीवन - दर्शन प्रदान किया। आधुनिक काल के साहित्य पर इन सबके प्रभाव को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। विधवा विवाह, अछूतोद्धार, जाति - प्रथा में शिथिलता, सती प्रथा पर रोक। बाल विवाह पर रोक जैसे सामाजिक सुधारों ने भी भारतीय समाज को कई

रूपों में प्रभावित किया।

अँग्रेजी ढंग के स्कूल-कॉलेजों की स्थापना ने भारतीय साहित्य को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। रीतिकालीन मांसलता एवं अलंकरण के अतिरिक्त भी काव्य में कुछ और होता है, इस ओर उनका ध्यान अँग्रेजी कविताओं को पढ़ने पर गया और उसी प्रकार की रचना हिन्दी में भी होने लगी। रोमांटिसिज्म, कम्यूनिज्म जैसे आन्दोलनों से भारतीय साहित्य प्रभावित हुआ, इसमें कोई संदेह नहीं है।

आधुनिक काल में गद्य के द्वारा अभिव्यक्ति की जाने लगी, जिसे इस काल की सबसे महत्वपूर्ण घटना माना जा सकता है। काव्य-भाषा के पद पर लम्बे समय से प्रतिष्ठित चली आ रही ब्रजभाषा के स्थान पर 'खड़ी बोली' को काव्य-भाषा के रूप में प्रयुक्त किया जाने लगा। अनेक प्रकार के साहित्यिक, राजनीतिक, सामाजिक, आन्दोलनों से आधुनिककालीन साहित्य प्रभावित हुआ है, यह निःसंकोच कहा जा सकता है।

(शेषबचा है।)

पता।

डॉ० समदर्शी कुमार

विभाग- हिन्दी (S.R.A.P.C) (B.R.A.B.U.M)

दिनांक -03. 02. 2023

मो० न० - 7909046087